Hindi Murli Quiz 18-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) ऐसे , साथ में बैठ सकते हैं। रिगार्ड उन्हों को बहुत नहीं चाहिए। निर्माण हैं तो फिर चांदी आदि का सिंहासन भी छोड़ देते हैं ।

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.2) देही-अभिमानी बनने की मेहनत कौन कर सकते हैं? देही-अभिमानी की निशानियाँ सुनाओ?

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. उन्हें नशा रहता कि हमें भगवान पढ़ाते हैं, हम उनके बच्चे हैं।
B. वह सुखदाई होंगे। हर कदम श्रीमत पर उठायेंगे।
C. वह शीतल होंगे, किसी से भी अधिक बात नहीं करेंगे, उनका बाप से लव होगा, चलन बड़ी रॉयल होगी।
D. जिनका पढ़ाई से और बाप से अटूट प्यार है वह देही-अभिमानी बनने की मेहनत कर सकते हैं।

Q.3) बड़े ते बड़ा आपघात कौन सा है -

A. बाप की मत पर न चलना |
B. ट्रेटर बन जाना |
C. बाप को और पढ़ाई को छोड़ना |
D. आत्म हत्या |

Q.4) आज के स्लोगन अनुसार -
__ बनकर हर कर्म करो तो सफलता सहज मिलती रहेगी।

A. मास्टर रचयिता
B. त्रिकालदर्शी
C. निमित्त

Q.5) ' कमबख्त ' - यह शब्द बाबा ने आज किसके लिए प्रयोग किया है ?

A. जो रोज़ मुरली नहीं पढते |
B. बाप का बनकर और फिर फारकती देने वाले |
C. जो सर्विसेबुल नहीं हैं |

Q.6) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --

	Choice		Match
A	हनूमान भी जुत्तियों में जाकर बैठता था ना। उसका भी रहस्य है ना।	1	इनमें बहुत अच्छा ज्ञान भरा हुआ है।
B	इन बैजेज का बाबा को बहुत कदर है।	2	हल्का पद पायेंगे।
C	थोड़ी मत ली तो	3	इसमें खर्चे आदि की भी कोई बात नहीं है।
D	यह बेहद की राजधानी स्थापन हो रही है।	4	तरस पड़ता है।
E	कोई-कोई के लिए ख्याल रहता है-यह शायद टूट पड़े। सरकमस्टांश ऐसे हैं।	5	आज्ञा का उल्लंघन करते हैं।
F	बहुतों की गंदी चलन हो पड़ती है।	6	देह का अहंकार बहुत चढ़ा हुआ है।

Q.7) यह पहला- पहला मिसाल है। किस बात में ?
(वैसे तो ब्रह्मा बाबा हर बात में पहले हैं परन्तु आज बाबा ने किस चीज़ की बात करी)

A. यह बाबा भी पुरुषार्थ करते हैं |
B. यह बाबा भी ट्रस्टी है |
C. इसने सब कुछ उनको दे दिया, वारिस बना दिया।

Q.8) अंधों की लाठी बनना है अर्थात

A. अंधों की जाकर सेवा करनी है |

B. रूहानी सर्विस करनी है |

C. यज्ञ में रहकर स्थूल सर्विस करनी है |

Q.9) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --(वरदान पर आधारित)

	Choice		Match
A	निमित्तपन की स्मृति से	1	माया का गेट खुला
B	जो सदा स्वयं को निमित्त समझकर चलते हैं	2	माया का गेट बन्द करने वाले डबल लाइट भव!
C	करनकरावनहार करा रहे हैं, मैं निमित्त हूँ	3	नम्बरवन लेने का आधार बन जाती है।
D	मैं पन आया अर्थात्	4	उन्हें डबल लाइट स्थिति का स्वत:अनुभव होता है।
E	निमित्त समझा	5	माया का गेट बन्द हुआ।
F	यही स्मृति	6	इसी स्मृति से सफलता होती है।

Q.10) समझो बाबा खेल रहे हैं, अनायास कोई आ जाते हैं तो बाबा झट वहाँ से चले जायेंगे |

A. True / ये वाक्य सही है

B. False / ये वाक्य गलत है